—: बैठक कार्यवृत्त :—

दिनाँक 04.11.2025 को अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय में "जल जीवन मिशन" कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में निम्नानुसार अधिकारी/कर्मचारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

1. श्री मनीष गंगवार, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत।
2. श्री मनोज कुमार, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत।
3. श्री मो0 शफीक, सहायक अभियन्ता, डी0डब्लू0एस0एम0, पीलीभीत।
4. श्री नफीस अहमद अंसारी, जूनियर इंजीनियर, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत।
5. श्री इमामत हुसैन, जूनियर इंजीनियर, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत।
6. श्री इरफान रज़ा, जूनियर इंजीनियर, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत।
7. श्री मो0 नासिर खां, उप–परियोजना प्रबन्धक, मै0 टी0पी0आई0 एजेन्सी, पीलीभीत।
8. श्री विशाल सिंह, जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, पीलीभीत।
9. श्री के0 रमेश, परियोजना प्रबन्धक, मै0 पी0एन0सी0–एस0पी0एम0एल0 जे0वी0, पीलीभीत।
10. श्री धीरेन्द्र कुमार, परियोजना प्रबन्धक, मै0 विश्वराज इंवायरमेंट प्रा0लि0, पीलीभीत।

बैठक में "जल जीवन मिशन" कार्यक्रम (फेज–2 एवं फेज–3) के अन्तर्गत निर्माणाधीन योजनाओं के समस्त घटकों पर विस्तृत में निम्नानुसार समीक्षा की गयी।

1– अनापत्ति प्रमाण पत्र :

जनपद में "जल जीवन मिशन" कार्यक्रम (फेज–2 एवं फेज–3) के अन्तर्गत 484 नग पाइप पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिसके सापेक्ष 483 नग पाइप पेयजल योजनाओं में कार्य प्रगति पर है एवं 01 नग परियोजना विकास खण्ड– पूरनपुर की सिंघाड़ा उर्फ टाटरगंज पाइप पेयजल योजना में भारत सरकार के वन एवं जल वायु परिवर्तन मंत्रालय के स्तर से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त न होने कारण कार्य बाधित है, जिसके सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत द्वारा अवगत कराया गया कि सम्बन्धित से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त होने के उपरान्त तत्काल कार्य प्रारम्भ करा दिया जायेगा।

(कार्यवाही –अधि0अभि0 जल निगम(ग्रामीण)/परि0प्रब0, मै0 विश्वराज)

2– शिरोपरि जलाशय (OHT) का कार्य :

फेज–2 : अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), पीलीभीत द्वारा अवगत कराया गया कि स्वीकृत कुल 264 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य के सापेक्ष वर्तमान में फर्म द्वारा समस्त 264 नग शिरोपरि जलाशय पर कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है, जिसमें से 121 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शिरोपरि जलाशय की पूर्ण होने की प्रगति काफी धीमी होने के कारण अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया एवं निर्देश दिये गये कि अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत सम्बन्धित फर्म के परियोजना प्रबन्धक से निर्माणाधीन समस्त शिरोपरि जलाशय की वास्तुस्थिति का विवरण तत्काल प्राप्त करते हुये अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित् करें। उपस्थित फर्म के परियोजना प्रबन्धक द्वारा माह मार्च, 2026 तक न्यूनतम 200 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया।

फेज–3 : अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), पीलीभीत द्वारा अवगत कराया गया कि स्वीकृत कुल 220 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष वर्तमान तक फर्म द्वारा 219 नग शिरोपरि जलाशय पर कार्य प्रारम्भ किया गया है, जिसमें से 142 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण किया गया है। शिरोपरि जलाशय की पूर्ण होने की प्रगति काफी धीमी होने के कारण अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया। मौके पर उपस्थित फर्म के परियोजना प्रबन्धक को शिरोपरि जलाशय के कार्य हेतु श्रमशक्ति की संख्या में तत्काल बढौतरी कर वांछित प्रगति प्राप्त करने के निर्देश अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिये गये।

(कार्यवाही – अधि0अभि0 जल निगम(ग्रामीण)/परि0प्रब0, मै0 पी0एन0सी0/परि0प्रब0, मै0 विश्वराज)

3– नियमित जलापूर्ति :

फेज–2 : अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), पीलीभीत द्वारा अवगत कराया गया कि फेज–2 के कार्यो हेतु चयनित फर्म मै0 पी0एन0सी0–एस0पी0एम0एल0 जे0वी0, आगरा द्वारा 264 नग योजनाओं के सापेक्ष 96 नग योजनाओं में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया एवं निर्देश दिये गये कि अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत सम्बन्धित फर्म के परियोजना प्रबन्धक से नियमित जलापूर्ति ग्रामों में बढौतरी कराना सुनिश्चित करें। साथ ही 96 नग योजनाओं में की जा रही नियमित जलापूर्ति की सूची तत्काल अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

परियोजना प्रबन्धक द्वारा अवगत कराया गया कि 32 नग पाइप पेयजल योजना पर विद्युत कनेक्शन ना होने के कारण नियमित जलापूर्ति किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है, जिसके विद्युत संयोजन हेतु भुगतान भी विद्युत विभाग को किया जा चुका है,

तत्पश्चात् भी वर्तमान तक विद्युत विभाग द्वारा उपरोक्त 32 नग पाइप पेयजल योजनाओं पर विद्युत कनेक्शन नहीं किया गया है, जिस हेतु अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड को तत्काल कनेक्शन कराने के निर्देश दिये गये है।

फेज–3 : अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), पीलीभीत द्वारा अवगत कराया गया कि फेज–3 के कार्यो हेतु चयनित फर्म मै0 विश्वराज, नागपुर द्वारा 220 नग योजनाओं के सापेक्ष 64 नग योजनाओं में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया एवं निर्देश दिये गये कि अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत सम्बन्धित फर्म के परियोजना प्रबन्धक से नियमित जलापूर्ति ग्रामों में बढौतरी कराना सुनिश्चित करें। साथ ही 64 नग योजनाओं में की जा रही नियमित जलापूर्ति की सूची तत्काल अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

परियोजना प्रबन्धक द्वारा अवगत कराया गया कि 20 नग पाइप पेयजल योजना पर विद्युत कनेक्शन ना होने के कारण नियमित जलापूर्ति किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है, जिसके विद्युत संयोजन हेतु भुगतान भी विद्युत विभाग को किया जा चुका है, तत्पश्चात् भी वर्तमान तक विद्युत विभाग द्वारा उपरोक्त 20 नग पाइप पेयजल योजनाओं पर विद्युत कनेक्शन नहीं किया गया है, जिस हेतु अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड को तत्काल कनेक्शन कराने के निर्देश दिये गये है।

(कार्यवाही – अधि0अभि0 जल निगम(ग्रामीण)/परि0प्रब0, मै0 पी0एन0सी0/परि0प्रब0, मै0 विश्वराज)

4– सड़क पुर्नस्थापना कार्य :

अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), पीलीभीत द्वारा अवगत कराया गया कि जनपदान्तर्गत पाइप लाईन बिछाने हेतु काटी/तोड़ी गयी सड़कों के सापेक्ष लगभग 90 प्रतिशत सड़कों का पुर्नस्थापना कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वर्षा ऋतु होने के कारण कुछ सड़कें settled हो गई है, जिसका पुनः पुर्नस्थापना कार्य वर्षा ऋतु के पश्चात् करा दिया जायेगा। साथ ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिये गये कि सड़क पुर्नस्थापना कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, जिससे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे निरन्तर प्राप्त हो रही शिकायतों का समाधान हो सकें।

(कार्यवाही – अधि0अभि0 जल निगम(ग्रामीण)/परि0प्रब0, मै0 पी0एन0सी0/परि0प्रब0, मै0 विश्वराज)

5– गुणवत्ता (शिरोपरि जलाशय) :

अधोहस्ताक्षरी द्वारा उप–परियोजना प्रबन्धक, मै0 टी0पी0आई0 एजेन्सी, पीलीभीत से फेज–2 एवं फेज–3 के अन्तर्गत पूर्ण किये गये 250 नग शिरोपरि जलाशय की गुणवत्ता के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी, जिसमें उप–परियोजना प्रबन्धक द्वारा अवगत कराया गया कि कंक्रीट, सीमेन्ट, ईट का परीक्षण फर्म की प्रयोगशाला में करायी जाती है, जिसकी गुणवत्ता मानकानुसार न होने पर उक्त कार्य को क्षतिग्रस्त कर मानकानुसार गुणवत्ता के अनुरूप फर्म के माध्यम से पुनः बनवाया जाता है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिये गये कि उपरोक्त 250 नग के सापेक्ष परीक्षण कराये गये शिरोपरि जलाशय की सूची तत्काल अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करायी जायें।

(कार्यवाही – अधि0अभि0 जल निगम(ग्रामीण)/उप–परि0प्रब0, मै0 टी0पी0आई0)

इसके अतिरिक्त अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित दोनों फर्मो के परियोजना प्रबन्धक को योजना के घटकों को पूर्ण करके योजना से नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित् करने के निर्देश दिये गये। कार्यो की गुणता से कोई भी समझौता न किया जाये। इस पर तत्काल युद्धस्तर पर कार्य किया जाये। अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत को निर्देश दिये गये कि यदि किसी भी फर्म द्वारा बैठक में दिये गये निर्देश/आश्वासन का अनुपालन नहीं किया जाता है तो उक्त फर्म के विरूद्ध कार्यवाही हेतु शासन को अधोहस्ताक्षरी के स्तर से पत्र प्रेषित कराना सुनिश्चित् करें।

(ज्ञानेन्द्र सिंह)
जिलाधिकारी,
पीलीभीत।

कार्यालय जिलाधिकारी पीलीभीत।

पत्रांक : 3664/ M-07 / 90 **दिनांकः** 04/11/2025

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
3. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ।
4. मुख्य विकास अधिकारी, पीलीभीत।
5. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), बरेली।
6. अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, पीलीभीत।
7. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), पीलीभीत।
8. परियोजना प्रबन्धक, मै0 पी0एन0सी0– एस0पी0एम0एल0 जे0वी0, पीलीभीत।
9. परियोजना प्रबन्धक, मै0 विश्वराज इनवायरमेन्ट, पीलीभीत।

जिलाधिकारी,
पीलीभीत।